①

B.A. (Hons) Part III
Philosophy Paper V
Topic – धर्म और विज्ञान के बीच संबंध

Dr. Sachidanand Prasad
Department of Philosophy.
R.R.S. College, Mokama.

विज्ञान और धर्म के बीच आपसी संबंध को जानने के लिए सबसे पहले हमें यह जानना होगा कि दोनों के बीच समानता और असमानता क्या है?

धर्म के संबंध में कहा गया है कि धार्मिक मनोवृति व्यक्तिगत होती है जबकि वैज्ञानिक प्रवृति व्यक्तिनिरपेक्ष होता है।

फिर विज्ञान में कार्य-कारण नियम का सहारा लिया जाता है जबकि धर्म में वस्तुओं की व्याख्या के लिए कल्पित कथाओं का सहारा लिया जाता है।

फिर धर्म एक स्वतंत्र प्रवृत्ति है क्योंकि इसका संबंध आन्तरिक जीवन से है परन्तु विज्ञान का संबंध बाहरी दुनिया से है क्योंकि विज्ञान का संबंध मनुष्य के बाह्य अनुभव से है।

फिर विज्ञान का संबंध वस्तु (facts)

(2)

से है जबकि धर्म का संबंध मूल्यों (values) को प्राप्त करना है।
फिर विज्ञान विशेष उदाहरणों के निरीक्षण और प्रयोग के द्वारा सामान्य नियमों की स्थापना करता है जबकि धर्म में ईश्वर, जगत संबंधि सामान्य नियम अथवा मान्यताओं से विशेष धारणाओं की प्राप्ति होती है।
फिर विज्ञान के नियम अस्थाई एवं अशाश्वत होते हैं जबकि धार्मिक मत स्थाई एवं शाश्वत सिद्धांतों का निरूपण करते हैं।
फिर धर्म में प्राधिकार (Authority) के प्रश्न पर सन्देह नहीं किया जा सकता है जबकि विज्ञान किसी भी प्राधिकार की पूर्व सत्ता को नहीं मानता है।
फिर धर्म का प्रधान उद्देश्य मुक्ति की प्राप्ति है, जबकि विज्ञान का उद्देश्य सत्य की प्राप्ति करना है।
फिर विज्ञान का संबंध प्राकृतिक जगत से है जबकि धर्म का संबंध अप्राकृतिक सत्ता से है।
फिर धर्म रूढ़िवाद में विश्वास करता है जबकि विज्ञान विकासवाद में विश्वास करता है।

③

फिर विज्ञान यन्त्रवाद का समर्थक है जबकि धर्म आध्यात्मवाद का समर्थक है। फिर धर्म विश्वास पर आधारित है जबकि ~~धर्म~~ विज्ञान बुद्धि पर आधारित है।
वास्तव में धर्म और विज्ञान विरोधात्मक प्रवृत्तियाँ नहीं है क्योंकि धर्म और विज्ञान में विरोध तभी दिखता है जब धर्म या विज्ञान अपने-अपने क्षेत्र एवं सीमा को त्यागने का प्रयास करते हैं।
धर्म और विज्ञान एक दूसरे के पूरक है क्योंकि धर्म मानवीय मूल्यों का ज्ञान कराकर विज्ञान का मार्गदर्शन करता है। फिर धर्म और विज्ञान हमारे ज्ञान का आवश्यक अंग है। धर्म हमारे ज्ञान का एक पहलू है जबकि विज्ञान हमारे ज्ञान का दूसरा पहलू है। इसप्रकार विज्ञान को अधार्मिक कहना और धर्म को अवैज्ञानिक कहना सही नहीं है। अतः यह कहा जा सकता है कि धर्म और विज्ञान को एक दूसरे से अलग करना व्यवहारिक जीवन के लिए घातक होगा।
अतः निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि धर्म और विज्ञान एक दूसरे के पूरक है।